युद्ध अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों?

भारतीय सेना का एक दल **अमेरिका के अलास्का स्थित फोर्ट वेनराइट** के लिये प्रस्थान कर चुका है, जहाँ 1 से 14 सितंबर, 2025 तक भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास **'युद्ध अभ्यास'** का 21वाँ संस्करण आयोजित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **भाग लेने वाली सेनाएँ:**
    - भारतीय दल में **मद्रास रेजिमेंट** की एक बटालियन के कार्मिक शामिल हैं, जो भारतीय सेना की सबसे पुरानी रेजिमेंटों में से एक है।
    - अमेरिकी सेना का प्रतिनिधित्व 11वीं एयरबोर्न डिवीज़न के अंतर्गत*????????? ????????? ????????? ????????? ???* की पहली बटालियन, 5वीं इन्फैंट्री रेजीमेंट **"बॉबकैट्स"** के सैनिकों द्वारा किया जाएगा।
- **गतिविधियाँ:**
    - अभ्यास के दौरान दोनों देशों की सेनाएँ विविध सामरिक कौशलों का अभ्यास करेंगी, जिनमें हेलबीर्न ऑपरेशन, निगरानी संसाधनों एवं **मानव रहित हवाई प्रणालियों का प्रयोग,** रॉकक्राफ्ट, पर्वतीय युद्धकला, हताहतों की निकासी, युद्धक्षेत्र चिकित्सा सहायता तथा तोपखाने, **वायुसेना** एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का समन्वित उपयोग शामिल है।
- **अभ्यास का समापन:**
    - यह अभ्यास संयुक्त रूप से नियोजित एवं क्रियान्वित सामरिक अभियानों के साथ संपन्न होगा, जिनमें **लाइव-फायर ड्रिल्स** से लेकर उच्च पर्वतीय युद्ध परिदृश्यों तक की अभिव्यक्ति होगी।
- **उद्देश्य:**
    - 'युद्ध अभ्यास 2025' का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना** अभियानों के लिये परिचालन तत्परता को सुदृढ़ करना है, जिससे शांति अभियानों के प्रभावी प्रबंधन हेतु क्षमता-निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।
    - इसके अतिरिक्त, यह अभ्यास बहु-क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने हेतु सेनाओं को तैयार करेगा तथा एकीकृत युद्ध और संयुक्त परिचालन रणनीतियों के महत्त्व पर ज़ोर देगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/yudh-abhyas-2025